प्रतिज्ञा विकास संस्थान दुर्ग (छ.ग.)

वार्शिक प्रतिवेदन

2015–16

मुख्य कार्यालय
क्वा.नं.231 पंच□ील एकेडमी के पीछे मुक्तनगर, पद्यमनाभपुर
दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड– 491001
फोन नं.– 0788–4032365, 94251–62080
E-mail- pratigyadurg@rediffmail.com
pratigyalws@gmail.com
Website- www.pratigyango.org

भााखा कार्यालय

एम.आई.जी. डुप्लेक्स–18, पुराना पोश्ट ऑफिस लाईन इंडस्ट्रीयल एरिया
हाउसिंग बोर्ड कालोनी भिलाई
दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड– 491001
फोन नं.– 94251–62080

अन्नपूर्णा पारा के सामने सरस्वती □ा□ु मंदिर के सामने □ाव मंदिर कांकेर (छ.ग.)
फोन नं.– 07868–222790 मो. 9424286386

ग्राम –बांसपारा एकता नगर वार्ड नं. 30 निखिल कम्प्युटर के पास धमतरी
जिला धमतरी (छ.ग.) मो. 9229490207

प्रतिज्ञा विकास संस्थान, दुर्ग (छ.ग.)

An Introduction

संस्था के बारे मेंः– प्रतिज्ञा विकास संस्थान एक गैर राजनीतिक स्वयंसेवी संस्था है । संस्था अपने प्रारंभ काल से शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने का कार्य किया है। संस्था अपने उद्देश्यों और लक्ष्य के अनुरूप शासकीय/गैर शासकीय/राष्ट्रीय एवं अंर्तराष्ट्रीय स्वयं सेवी संस्थाओं से सहयोग स्थापित कर विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर कार्य किया गया है। संस्था समग्र विकास सभी समुदाय के लोगों को लेकर कार्य करती है। सभी जाति, वर्ग को अपने कार्यों में सहभागिता सुनिश्चित करती है। संस्था द्वारा विशेषकर जन जागरूकता, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, जल संवर्धन, कृषि उत्पादन, कौशल विकास, पशुधन विकास, आदिवासी विकास, स्वसहायता समूह, किसान क्लब, अजीविका मिशन, माइक्रो फाईनेंस, पोषण एवं स्वास्थ्य कार्यक्रम, कुपोषण, वॉटर शेड आदि कार्यक्रमों के साथ कार्य करती आ रही है। संस्था छत्तीसगढ़ सोसायटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1973 की धारा 44 के तहत पंजीकृत है। संस्था विदेशी अनुदान सहायता योजना (एफ.सी.आर.ए. के तहत भी पंजीकृत है।) संस्था का पेन कार्ड, 12ए एवं 80 जी, टेन नं. अजीविका मिशन में पर्मानेंट रजिस्ट्रेशन नबंर है। संस्था का पंजीकृत कार्यालय दुर्ग जिले में एवं क्षेत्रीय कार्यालय जिला कांकेर, धमतरी, राजनांदगांव में स्थित है।

Vision & Mission

संस्था का लक्ष्य समाज से है समाज के अंदर पीड़ित, शोषित, वंचित, दबे–कुचले लोगों का सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास करना ताकि समाज का अंतिम व्यक्ति को विकास की मुख्य धारा से जुड़ सके तथा समान स्वतंत्रता व सम्मान पूर्वक मानवीय जीवन जी सके।

संस्था अपने उद्दे□यों तथा विजन और मि□ान के अनुरूप निम्न क्षेत्रों में कार्य कर रही है

Organization since its inception is working under the broad themes of:

• **Health & Nutrition (स्वास्थ्य एवं पोशण)**	• वालेन्टरी हेल्थ एसोशिएशन ऑफ इंडिया के सहयोग से मलेरिया उन्मुलन कार्यक्रम • अक्षय इंडिया परियोजना के अंतर्गत केयर छ.ग. के साथ टी.बी. उन्मुलन कार्यक्रम • महिला एवं बाल विकास के साथ मिलकर महिला जागृति शिविर कुपोषण, महिलाओ के स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ कार्य। • महिला बाल विकास के अंतर्गत नवाजतन परियोजना के अंतर्गत कुपोषित बच्चों को सामान्य स्तर पर लाने के लिए दुर्ग धमतरी एवं कांकेर में कार्य किया गया। • संस्था द्वारा कांकेर जिले में वालेन्ट्री एसोशिएशन ऑफ इंडिया द्वारा मलेरिय उन्मूलन का कार्य किया जा रहा है। साथ ही स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। • छ.ग. राज्य एड्स नियंत्रण समिति के सहयोग से एच.आई.व्ही./एड्स के रोकथाम के लिए लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना माईग्रेन्ट एवं ट्रकर्स का संचालन। • छ.ग. राज्य एड्स नियंत्रण समिति के सहयोग से एच.आई.व्ही./एड्स के रोकथाम के लिए लिंकवर्कर स्कीम परियोजना का संचालन।

	• यूनिसेफ के सहयोग से महिला एवं बाल विकास के अंतर्गत कुपोषण मुक्त अभियान के लिए ''नवाजतन'' कार्यक्रम का संचालन छत्तीसगढ़ के 27 जिलो में हो रहा है। • संस्था 2002 से 2008 तक केयर छत्तीसगढ़ के साथ एकीकृत पोषण एवं स्वास्थ्य कार्यक्रम में कार्य की।
• **Micro Finance**	• नाबार्ड रायपुर के सहयोग से धमतरी दुर्ग में समुहों का गठन प्रशिक्षण एवं बैंको से लिंकेज करने का कार्य किया गया। • स्वर्ण जंयती ग्राम स्वरोजगार योजना के अंतर्गत जिला पंचायत धमतरी दुर्ग एवं कांकेर में समुहों का गठन संवर्धन एवं प्रशिक्षण। • एस.एच.जी. को बैंक लिंकेज एवं ऋण उपलब्ध कराना।
• **Watersed (जल संवर्धन)**	• जल ग्रहण क्षेत्र प्रबंधन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक सहभागिता का प्रशिक्षण। • जीवकोपार्जन हेतु प्रशिक्षण एवं स्वसहायता समूह का गठन। • जल प्रबंधन के अंतर्गत स्वसहायता समूह का गठन एवं किसानो को जल प्रबंधन के क्षेत्र में प्रशिक्षण। • ग्राम माइक्रो प्लान तैयार करना (डी.पी.आर.)।
• **Awareness campaign (जागरूकता अभियान)**	• संस्था शासन की विभिन्न जनकल्याण कारी योजनाओं को जन जन तक पहंचाने के लिए कलाजत्था, प्रचार प्रसार पोस्टर पांम्पलेट रैली संगोष्ठी एवं विभिन्न तरह के प्रतियोगिताओं का आयोजन कर शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार।
• **Education (शिक्षा)**	• संस्था शिक्षा के क्षेत्र में बालिका शिक्षा, शिक्षा का अधिकार विषय पर सामुदाय में जागृति एवं प्रशिक्षण। • स्कूल छूट गये या छोड़ दिये गये बच्चों का शाला प्रवेश।
• **Self-Employment Training (स्व–रोजगार अजीविका कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण)**	• संस्था नाबार्ड एवं छत्तीसगढ़ खादी ग्रामोद्योग विभाग तथा रोजगार कार्यालय एवं मार्गदर्शन केन्द्र के सहयोग से स्वरोजगार का कार्य संचालित किया गया।
• **Level of Agriculture Programme (कृषि आधारित कार्यक्रम)**	• संस्था नाबार्ड के सहयोग से दुर्ग, धमतरी, बालोद में किसान क्लब का गठन कर शासन की विभिन्न योजनाओं से जोड़ने का कार्य। • उन्नत किस्म के बीज उत्पादन का प्रशिक्षण। • किसान क्लब का भ्रमण। • आत्मा परियोजना के अंतर्गत किसानों को प्रशिक्षण उन्नत किस्म की खेती के लिए प्रोत्साहन। • नाबार्ड के अंतर्गत शीड विपेज की स्थापना।
• **Skill Development Programme**	• संस्था नाबार्ड के साथ एस.डी.पी. कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं को स्वरोजगार के लिए कौशल विकास आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

(कौ□ाल विकास कार्यक्रम)	• महिला बाल विकास के सहयोग से छत्तीसगढ़ महिला कोष के अंतर्गत महिलाओं को स्वरोजगार प्रशिक्षण प्रदान किया गया। • संस्था द्वारा दोना पत्ता, सिलाई, कंदमूल आदि रोजगारमूलक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।
• **Tribal Development Programme** (आदिवासी विकास)	• आदिवासियो के विकास के लिए संस्था द्वारा उन्हे रोजगारमूलक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
• **Women Empowerment** (महिला स□ाक्तिकरण)	• अंतर्राराष्ट्रीय महिला दिवस • महिला अधिकार • महिला उत्पीड़न पर कार्यशाला
• **Environment Preservation** (पर्यावरण)	• पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संगोष्ठि रैली एवं पौधारोपण का कार्य।
• **Cleaning** (स्वच्छता)	• संस्था अपने कार्यक्षेत्र के अंतर्गत सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान के परिधि के अंतर्गत सामुदाय को शौचालय का उपयोग एवं सम्पूर्ण स्वच्छता से होने वाले महत्वपूर्ण बदलाव की जानकारी।
• **Socieo and Economy survey**	• डॉ. मनीषा तेलान कन्सलटेन्ट एसीयन डवलपमेंट बैंक द्वारा रोड निर्माण के पूर्व सामाजिक व आर्थिक सर्वेक्षण का कार्य किया गया।
• **Agricultute Development**	• आत्मा परियोजना के अंतर्गत कृषकों को आर्थिक उन्नत के लिए कृषि आधारित प्रशिक्षण का कार्य प्रदान किया गया।
• **Integrated Child Protection Scheme**	• संस्था महिला एवं बाल विकास से जुड़कर बच्चों के लिए स्पेशल दत्तक ग्रहण योजना संचालित कर रही है।

रणनीति

संस्था अपने विजन एवं मिशन के अनुरूप लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निम्नानुसार रणनीति के द्वारा लक्ष्य को प्राप्त किया जा रहा है।

- Knowledge Building जागरूकता निर्माण
- Capacity Building क्षमता निर्माण
- Networking and Advocacy and
- Micro Finance & Self-Employment
- Community mubilaization
- Survey and Need Assessment

The relationship between the three strategies for achieving vision and mission of social change could be represented diagrammatically below: सामाजिक परिवर्तन के लिए उपरोक्त पांचों रणनीति के माध्यम से अपने विजन एवं मिशन को प्राप्त करने में प्रयास किया जा रहा है।

प्रतिज्ञा विकास संस्थान, दुर्ग (छ.ग.)
स्वास्थ्य (Health) के क्षेत्र में किये गये कार्य
Targated Intervantion Project- Migrant

'छ.ग. राज्य एड्स नियंत्रण समिति रायपुर' के सहयोग से टी.आई माईग्रेंट प्रोजेक्ट का संचालन विगत 01 फरवरी 2009 से निरंतर चल रहा हैं, संस्था का आज तक बाह्य एजेंसियों द्वारा तीन बार मूल्यांकन किया गया एवं अच्छे कार्यों के आधार पर संस्था को निरंतर किया गया। उक्त परियोजना भिलाई एवं दुर्ग, रसमड़ा क्षेत्र में संचालित है। परियोजना के अंतर्गत प्रवासी मजदूरों जो अपने क्षेत्र से कार्य की तलाश में एक स्थान से दूसरे स्थान जाते हैं और परिवार से दूर रहकर कुछ समय के लिए जीवन यापन करते हैं एवं अपने मूल स्थान पर आते और जाते रहते हैं, उन्हे एच.आई.वी. /एड्स के बचाव के लिए आवश्यक उपाय, वातावरण निमार्ण कर उन्हे स्वास्थ्य सुविधा मुहैया करायी जाती है। इसके लिए संस्था के मैदानी कार्यकर्ता काम करते हैं। हमारा टार्गेट 15000 है कवरेज 60000 है। संस्था द्वारा उक्त परियोजना में निम्नानुसार कार्य किये जाते हैं :–

1. व्यवहार परिवर्तन, 2. एस.टी.आई. मैनेजमेंट, 3. कंडोम प्रमोशन, 4. कम्युनिटी मोबिलाईजेशन एवं इनाबिलिंग इनवायरमेंट, 5. रेफरल एवं लिंकेज 6. मानिटरिंग एवं इवोलेशन।

HIV/AIDS PROGRAMME

Targated Intervantion Project- Truckers

छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति रायपुर नाको के सहयोग से संस्था को लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के अंतर्गत लंबी दूरी वाले ट्रक ड्राइवर एवं हेल्पर के लिए ट्रकर्स परियेाजना दुर्ग जिले के भिलाई क्षेत्र में ट्रकर्स पांउट में वर्ष 2010 में स्वीकृत की गई है, संस्था का आज तक बाह्य एजेंसियों द्वारा तीन बार मूल्यांकन किया गया एवं अच्छे कार्यों के आधार पर संस्था को निरंतर किया गया, जो लगातार चल रहीं है। उक्त क्षेत्र के अंतर्गत कुल 15000 ट्रकर्स का लक्ष्य रखा गया है एवं 60000 का कवरेज।

प्रतिज्ञा विकास संस्थान द्वारा सन्–2010 से HIV/AIDS एवं STI (यौन रोग) के बचाव हेतु NACO & Chhatisgarh State Aids Control Society, Raipur के सहयोग से 15000 टारगेट(प्रतिवर्ष) एवं लम्बी दुरी पर चलने वाले ट्रकर्स (800किमी.) पर ट्रॉसपोर्ट नगर हथखोज भिलाई में Targated Intervantion Truckers Project (HIV/AIDS Control Program-NACP-IV) का संचालन किया जा रहा हैं। जिनमे आई.पी.सी., हेल्थ केम्प, नुक्कड नाटक, फिल्म शो इत्यादि गतिविधियों के माध्यम से ट्रकर्स (हेल्पर एवं ड्राइवर) को HIV/AIDS एवं STI (यौन रोग) के बचाव हेतु जागरूकता एवं जानकारी प्रदान की जा रही हैं। साथ ही इस हेतु एच.आई.वी. जॉच एवं चिकित्सा सुविधा प्रदान किया जा रहा हैं। साथ ही पी.एल.एच.ए एच.आर.जी. की पूर्ण रूप से चिकित्सा सुविधा एवं समय समय पर उचित देखरेख कर सहयोग प्रदान किया जा रहा हैं।

संस्था उपरोक्त कार्यो को ट्रॉसपोर्ट नगर हथखोज भिलाई, ए.सी.सी.सिमेन्ट कंपनी जामुल, बी.एस.पी. बोरिया गेट भिलाई, जेपी सिमेन्ट कंपनी भिलाई एवं भारत पेट्रोलियम–इंडियन ऑयल डिपो भिलाई क्षेत्र मे सेवा प्रदान कर रही है।

छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियत्रंण समिति के सहयोग से संचालित लिंक वर्कर परियोजना

सामान्य परिचय :–

लिंक वर्कर स्कीम छ.ग. राज्य एड्स नियंत्रण समिति रायपुर की महत्वाकांक्षी एवं बहुउद्देशीय परियोजना है जिसका कियान्वयन छ.ग.राज्य एड्स नियंत्रण समिति रायपुर के सहयोग

से चार गैर सरकारी संगठनों का चयन जिला कियान्वयन समिति के रूप में किया गया है। ये संगठन जिला स्तर पर परियोजना का कियान्वयन कर रहे है। प्रतिज्ञा विकास संस्थान भी उन्हीं गैर शासकीय संगठनों में से एक है।

जिस क्षेत्रो में लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना अपनी सेवाएँ नहीं दे पाते वहॉ लिंक वर्कर परियोजना द्वारा HIV के प्रति जागरूकता फैलाना तथा लोगो को कंडोम की उपलब्धता एवं उपयोगिता और HIV की जॉच कराना इस परियोजना के संचालन का मुख्य कारण है। यह परियोजना जिले के 100 गांवो मे संचालित किया जाएगा।

योजना की परिकल्पना :–

- एचआईवी / एड्स से संबंधित विभिन्न सेवाओं के लिए मांग बढाना।
- मौजूदा सेवाओं से लक्ष्य आबादी को जोड़ना । योजना अपने आप से कोई भी सेवा प्रदान नहीं करती है।
- परियोजना क्षेत्र में एक अनुकूल और कलंक मुक्त वातावरण बनाना ।
- यह सुनिश्चित करना की लक्ष्य आबादी निरंतर सेवाओं व जानकारी का उपयोग सतत आधार पर कर सके ।
- आशा स्वयंसेवकों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत प्रमुखों, मनरेगा योजना के अधिकारियों आदि के माध्यम से अन्य विभागों की सेवाओं के साथ संबंधों को बनाना।

योजना में शामिल :–

बेहद प्रेरित और प्रशिक्षित समुदाय के सदस्य – गांवो के समूहों (Cluster) के लिए एक पुरूष, एक महिला क्लस्टर लिंक वर्कर जो कि सूचना, सेवाओं और समुदाय के बीच संपर्क स्थापित करेगा।

संचालित कार्य

संचालित परियोजना प्रदाता विभागः–

लिंक वर्कर स्कीम छ.ग. राज्य एड्स नियंत्रण समिति रायपुर (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय) की महत्वाकांक्षी एवं बहुउद्देशीय परियोजना है जिसका कियांन्वयन छ.ग. राज्य एड्स नियंत्रण समिति रायपुर के सहयोग से इस राज्य के चार गैर सरकारी संगठनों का चयन जिला कियान्वयन समिति के रूप में किया गया है। ये संगठन जिला स्तर पर परियोजना का कियान्वयन कर रहे है। प्रतिज्ञा विकास संस्थान भी उन्हीं गैर शासकीय संगठनों में से एक है।

संचालित कार्यों के कार्यक्षेत्रः–

परियोजना के दिशानिर्देश के अनुसार कुल 150 गांवो का सर्वे किया गया जिसमें से 100 संवेदनशील गांवो का चयन किया गया और प्रत्येक 5 गांवो मे 1 लिंक वर्कर का चयन किया गया।

वालेटिंयर तथा कंडोम डिपो का गठन :–

दिशा निर्देशके अनुसार प्रत्येक गांव में 10 वालेंटियर का गठन किया गया जिसका उद्देश्य लक्ष्यगत समूह तक कैसे पहुंच सके तथा उनको सेवा किस प्रकार प्रदान कर सके तथा कंडोम की उपलब्धता एवं उपयोगिता के विस्तार के लिए प्रत्येक गांव में कम से कम 1 या 2 कंडोम डिपो बनाया गया। इस परियोजना में 100 गांवों में कुल 100 कंडोम डिपो बनाया गया जिसके द्वारा लक्षित समूहों को कुल 9263 नग कंडोम प्रदाय किया गया।

रेफरल एंव लिंकेज :–

इस परियोजना में लिंकवर्कर के द्वारा कुल 6155 लक्षित समूह से व्यक्तिगत संपर्क किया गया और उन समूह के साथ आई.पी.सी./बी.सी.सी. और वन टू वन ग्रुप सेसन किया गया और इनके आधार पर 5760 एच.आई.वी. जांच कराया गया, इनमें से 23 व्यक्ति एच.आई.वी. पॉजीटीव पाये गये, जिनमें से 21 का ए.आर.टी. लिंक कराया गया।

लिंकवर्कर स्कोम अंतर्गत संचालित गतिविधियां

S.N.	Name of Activity	Date	Name of Palace	No.of Activity	Remark	No. of Benificiary
1	Aids Avairness Railly	27.11.15	Jheet	1	School Railly in Aids Day	500
2	Aids Avairness Railly	26.11.15	Chhata Pendri	1	School Railly in Aids Day	269
3	Aids Avairness Railly	28.11.15	Funda	1	School Railly in Aids Day	300
4	Aids Avairness Railly	28.11.15	Nandni-Khundni	1	School Railly in Aids Day	470
5	Aids Avairness Railly	28.11.15	Dargaon	1	School Railly in Aids Day	425
6	Aids Avairness Railly	29.11.15	Bagdumar	1	School Railly in Aids Day	150
7	Aids Avairness Railly	30.11.15	Borai	1	School Railly in Aids Day	500
8	Aids Avairness Railly	30.11.15	Khopli	1	School Railly in Aids Day	289
9	Aids Avairness Railly	30.11.15	Anjora	1	School Railly in Aids Day	350
10	Aids Avairness Railly	30.11.15	Thanoud	1	School Railly in Aids Day	400
11	Aids Avairness Railly	30.11.15	Tarrighat	1	School Railly in Aids Day	250
12	Aids Avairness Railly	30.11.15	Rasmada	1	School Railly in Aids Day	700
13	Aids Avairness Railly	30.11.15	Pauwara	1	School Railly in Aids Day	300
14	Aids Avairness Railly	30.11.15	Pathariya	1	School Railly in Aids Day	350
15	Aids Avairness Railly	30.11.15	Nawagaon	1	School Railly in Aids Day	520
16	Aids Avairness Railly	30.11.15	Pendrawan	1	School Railly in Aids Day	415
17	Aids Avairness Railly	30.11.15	Dhour	1	School Railly in Aids Day	430
18	Aids Avairness Railly	30.11.15	Nardha	1	School Railly in Aids Day	350
19	Aids Avairness Railly	30.11.15	Kandaraka	1	School Railly in Aids Day	200
20	Aids Avairness Railly	30.11.15	Kumhari	1	School Railly in Aids Day	415
21	Mid Midia Activity	17.03.16	Daimar	1	Nukkad Natak for Aids	500
22	Mid Midia Activity	17.03.16	Jheet	1	Nukkad Natak for Aids	250
23	Mid Midia Activity	17.03.16	Kuthrel	1	Nukkad Natak for Aids	100
24	Mid Midia Activity	17.03.16	Risama	1	Nukkad Natak for Aids	230
25	Mid Midia Activity	18.03.16	Ganiyari	1	Nukkad Natak for Aids	240
26	Mid Midia Activity	18.03.16	Rasmada	1	Nukkad Natak for Aids	205

प्रतिज्ञा विकास संस्थान, दुर्ग (छ.ग.)

S.N.	Name of Activity	Date	Name of Palace	No.of Activity	Remark	No. of Benificiary
27	Mid Midia Activity	18.03.16	Birebhat	1	Nukkad Natak for Aids	265
28	Mid Midia Activity	18.03.16	Nandni-Khundni	1	Nukkad Natak for Aids	300
29	Mid Midia Activity	18.03.16	Pathari	1	Nukkad Natak for Aids	250
30	Mid Midia Activity	18.03.16	Medesara	1	Nukkad Natak for Aids	300
31	Mid Midia Activity	19.03.16	Nardha	1	Nukkad Natak for Aids	180
32	Mid Midia Activity	19.03.16	Girhola	1	Nukkad Natak for Aids	250
	TOTAL BENIFICIARY					**10653**

एड्स जागरूकता फोटोग्राफ्स

31 मार्च 2016 तक संस्थान द्वारा निम्न कार्य किये गये जो संख्यात्मक रूप से इस प्रकार है...

क्रं.	कार्यक्रम	संख्या	रिमार्क
1	कंडोम डिपो की स्थापना	100	कुल 100 ग्राम में
2	कंडोम वितरण	9263	नग कंडोम
3	व्यक्तिगत संपर्क	6155	कुल 100 ग्राम से
4	HIV जॉच	5760	कुल 100 ग्राम से
5	स्कूल रैली	32	कुल 30 ग्राम मे
6	ग्रामीण रैली	10	कुल 10 ग्राम मे
7	नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम	12	कुल 12 ग्राम मे
8	लोकल बाड़ी मीटिंग	569	कुल 100 ग्राम मे
9	एडवोकेशी मीटिंग	16	ब्लाक और जिला स्तरीय
10	वालिटियरों की संख्या	876	कुल 100 ग्राम मे
11	मोबाईल आई.सी.टी.सी. कैम्प	20	कुल 20 ग्रामों में

उपलब्धियॉ

- ग्राम सभा के एजेंडों में एच.आई.वी./एड्स को जोड़ा गया।
- नुक्कड़ नाटक तथा स्कूल रैली के माध्यम से 10653 लोगों को एच.आई.वी./एड्स के प्रति जागरूक किया गया।

- 863 वालेंटियरों को एच.आई.वी./एड्स जागरूकता हेतु प्रशिक्षण दिया गया।
- 6155 लक्षित समूहों को रजिस्टर्ड किया गया।
- 5760 लक्षित समूहों का एच.आई.वी. जांच कराया गया।
- 23 व्यक्ति का एच.आई.वी. जांच के उपरांत एच.आई.वी. पॉजीटीव की पाया गया।
- 21 एच.आई.वी. संक्रमित व्यक्ति का ए.आर.टी. लिंक किया गया।
- 9193 कंडोम समूहों को प्रदाय किया गया।

अ–क्षय भारत परियोजना

ग्लोबल फण्ड राउंड–9 टी.बी. नियंत्रण कार्यक्रम

अ–क्षय भारत परियोजना– अक्षय भारत परियोजना ग्लोबल फंड राउंड 9 टीबी नियंत्रण कार्यक्रम, जो वर्ल्ड विजन को राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रदेशो में कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में केयर अंतर्राष्ट्रीय संस्था के साथ मिलकर कांकेर, धमतरी में कार्य कर रही है। परियोजना के अंतर्गत क्षय रोग के संदर्भ में मुद्दा आधारित पैरवी, संवाद संप्रेषण, सामाजिक अंकेक्षण के कार्य विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से संपादित कर शासन द्वारा कियान्वित पुनरीक्षण राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण कार्यक्रम में राहा द्वारा सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

ममता फॉउन्डेशन, नई दिल्ली के सौजन्य से

रूपरेखाः– प्रतिज्ञा विकास संस्थान, ममता हेल्थ इंसटीट्यूट फॉर मदर एण्ड चाइल्ड के सहयोग से अक्षय परियोजना के तहत कबीरधाम छ.ग. के विकासखण्ड बोड़ला में टी.बी. के नियंत्रण के लिए ग्राम स्तर पर बैठक जिसमें जीकेएस/पीआरआई/ एसएचजी/ वीएचएससी/ अदर सदस्यों के साथ बैठक आयोजित किया जाता है। संस्था ममता फॉउन्डेषन के सहयोग से कवर्धा जिले के बोडला ब्लॉक में वर्श 2015–16 में कार्य की है।

हमारे संस्था की गतिविधियां इस प्रकार हैः–

1. **जीकेएस ग्राम स्तर पर बैठक** :– जिसमें टी.बी.बीमारी के बारे में पूर्ण रूप से ट्रेनिंग दिया जाता है। जिसमें पीआरआई/एसएचजी/वीएचएससी/जीकेएस की सदस्य षामिल होते हैं।
2. **अक्षय संवाद** :– इसमें प्रत्येक घर–घर जाकर टी.बी.बीमारी की लक्षण बताकर मरीज का चिन्हान्कन करके उसकी जांच कराना ।
3. **बलगम संकलन एवं परिवहन** :– बलगम संकलन एवं परिवहन जो मरीज डीएमसी (खखार जांच केन्द्र) तक नहीं पहुंचता उसका जांच कराना।

प्रतिज्ञा विकास संस्था 01 टी.ओ. पर कार्य देख रही है जो बोड़ला है इसके अन्तर्गत 03 डीएमसी इस प्रकार है – 1. बोड़ला 2. तरेगांव 3. रेंगाखार 4. इन सभी क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं।

सिलाई, कढ़ाई, बुनाई प्रशिक्षण :– संस्था द्वारा महिलाओं के कौशल उन्नयन के लिए सिलाई, कढ़ाई एवं जरी कार्य का प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिसमें स्वसहायता समूह की महिलाएं स्वयं का रोजगार स्थापित कर रही है। समूहों द्वारा अपने उत्पादों का उपयोग स्कूल आंगनबाड़ी आदि के ड्रेस तैयार करने में उपयोग कर रही है। नाबार्ड द्वारा हॉस्पिटल गॉमेंट के लिए भी सिलाई का कार्य एसडीपी योजना के अंतर्गत किया गया है।

मसरूम उत्पादन सह विक्रय केन्द्र का प्रशिक्षण :– संस्था द्वारा महिलाओं के कौशल उन्नयन के लिए मसरूम उत्पादन के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिसके लिए मसरूम उगाने की पद्धति, बीज तैयार करना मार्केट आदि के बारे में प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिसमें स्वसहायता समूह की महिलाएं स्वयं का रोजगार स्थापित कर रही है।

प्रतिज्ञा विकास संस्थान, दुर्ग (छ.ग.)

एकीकृत बाल संरक्षण परियोजना के अंतर्गत

संस्था द्वारा दत्तक ग्रहण एजेंसी का संचालन कांकेर जिले में किया जा रहा है। ऐसे बच्चे जो 0 से 6 वर्ष के है, जिन्हें मॉ–बाप छोड़ देते है, लावारिस पाए जाते है या जो विधि के अनुरूप थाने या अन्य जगहो में पाए जाते है, उन्हें दत्तक ग्रहण एजेंसी के तहत् पालन पोषण किया जाता है एवं उन्हें शासन के नियमानुसार दत्तक के रूप में दिया जाता है। यह कार्य संस्था जुलाई 2015 से कांकेर जिले में दत्तक ग्रहण एजेंसी का संचालन महिला एवं बाल विकास के सहयोग से कर रही है।

प्रतिज्ञा विकास संस्थान दुर्ग द्वारा जिला –धमतरी में नाबार्ड द्वारा प्रायोजित वर्श 2015–16 के अंतर्गत किये गये कार्यो का वार्शिक प्रतिवेदन

क.	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम संख्या	चयनित प्रशिक्षार्थी एवं लाभार्थी संख्या
1	स्व.सहायता समूह गठन एवं संवर्धन कार्यक्रम (200 समूह गठन एवं लिंकेज लक्ष्य) 3 वर्ष	SHPI NABARD	210 समूहों का गठन एवं प्रशिक्षण 115 समूहों को बैंक ऋण वितरण कार्यक्रम
2	किसान क्लब गठन एवं संवंर्धन का कार्यक्रम	निरंतर	130 क्लबो का गठन एवं संवर्धन जिला धमतरी, दुर्ग बालोद, एवं राजनांनदगॉव जिसमें 1500 ग्रामीण कृषक प्रशिक्षित
3	क्लब फेडरेशन का गठन	निरंतर	600 किसानों को किसान महासंघ का संचालन किया गया
4	संयुक्त देयता समूह गठन एवं लिंकेज	निरंतर	127 JLG का गठन एवं 115 JLG को I,II,III बैंक केडिट KCC ऋण सहायता
5	स्वच्छता अभियान जागरूकता	निरंतर	धमतरी जिले के 5 ग्रामो मे स्वच्छता अभियान जनजागरूक कार्यक्रम का आयोजन किया गया
6	टी.पी.एम. (तृतीय पक्ष मूल्यांकन कार्यक्रम) जिला धमतरी, दुर्ग, कांकेर, बालोद एवं कबीरधाम, राजनांदगॉव	नेबकान्स नाबार्ड एवं उद्यानिकी विभाग	वर्ष 2014–15 में लाभान्वित उद्यानिकी विभाग की योजना से जुड़े हितग्राहियों का जिला धमतरी, दुर्ग बालोद, एवं राजनांनदगॉव ,कबीरधाम , कांकेर जिलो मे कुल 900 कृषकों का मूल्यांकन किया गया
7	सब्जी उत्पादक समूह	1	संस्था द्वारा जिला बालोद के ग्राम अकलवारा में 50 किसानो के बीच 50 ऐकड़ मे सब्जी उत्पादन एवं विक्रय का कार्य किया जा रहा है
8	महिला SHG अजीविका गतिविधी प्रशिक्षण	10	5 लीडरसिप एवं 5 लाइब्लीवूड प्रशिक्षण मे 400 महिला समूह को नाबार्ड की सहायता से प्रशिक्षित किया गया

1. स्व सहायता समूह गठन एवं लिंकेज तथा प्रशिक्षण :–

प्रतिज्ञा विकास संस्थान दुर्ग के द्वारा जिला धमतरी में राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक द्वारा स्वीकृत 200 एस.एच.जी.(एस.एच.पी.आई.) परियोजना विकासखंड कुरूद/धमतरी में संस्था द्वारा 210 समूहों का गठन कर बैंक में बचत खाता खोलवाया गया है, जिसमें 2290 महिला तथा 218 पुरूष परिवारों को जोड़ा गया एवं 115 समूहो को कुल 10 बैंको से 47.08.000 रू. राशि ऋण प्रदाय करवाया गया है। जिसमें कुल महिलाओं के द्वारा बचत की भावना जागृत करने के उद्देश्य से तथा आत्मनिर्भरता/महिला शसक्तीकरण के अभियान में जोड़ा गया है एवं सभी

समूहों को नाबार्ड के दिशा निर्देश पर प्रशिक्षण दिया गया एवं गठित समूहों को बुक कीपिंग, बैठक रखरखाव आदि के बारे में विशेष कार्य करवाया जा रहा है।

गठित समूह एवं प्रशिक्षण लेती स्वयं सहायता समूह के महिला सदस्य

2. किसान क्लबों का गठन एवं संवर्धन :–

प्रतिज्ञा विकास संस्थाान दुर्ग द्वारा महिला समुहों के साथ किसानों को प्रेरित करने का कार्य छत्तीसगढ़ राज्य के धमतरी जिले में विगत वर्षो से नाबार्ड द्वारा (किसान क्लब कार्यक्रम) में क्लब गठन एवं मार्गदर्शन जैसी विस्तार सेवाओं को प्रदान करने हेतु सर्वप्रथम (स्वैच्छिक संस्था) प्रतिज्ञा विकास संस्थान दुर्ग का चयन कर पहली बार दस क्लब गठन की जिम्मेदारी सौपी संस्था अध्यक्ष विजय मिश्रा के रूप में अनुभवों के कारण उन्नत कृषि के क्षेत्र में धमतरी जिले में भावी स्कीमों एवं भावी संभावनाओं को देखते हुए विशेष रणनीति के तहत नाबार्ड की अनुसंसा के आधर पर कुल 130 क्लबों का गठन वर्ष 2015–16 के लक्ष्य के अनुरूप 120 ग्रामों के ग्राम पंचायतों में क्लब गठित कर अलग–अलग बैंको में क्लब बचत खाता सुलवाया गया है, जिसमें अभी तक 2000 किसानों को जोड़ा गया है। सभी किसान क्लाबों के माध्यम से उन्नत कृषि, उन्नत फसल पिरिवर्तत दलहन का उत्पादन जिले में पहली बार लिया गया है। जो कि जिले के लिए महत्व पूर्ण सफलता के कार्य में स्थान मिला है। साथ ही किसानों की स्थानीय आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए खाद, बीज, कीटनाशक जैसी बुनियादी जरूरतों की पूर्ति हेतु 30 ग्रामों के क्लबों को क्रय विक्रय हेतु लाईसेस, उपसंचालक कृषि धमतरी/बालोद एवं राजनांदगांव से दिलवा कर सामुहिक (कृषि सेवा केन्द्र) का संचालन करवाया गया है।

किसान क्लब कार्यक्रम में उपस्थित डी.डी.एम नाबार्ड धमतरी विजय धुरंधर, डी.डी.एम नाबार्ड दुर्ग दीपीका मायखो बी.सी.शर्मा क्षेत्रीय प्रबंधक सी.जी.बी. आर.ओ. धमतरी ,श्री विजय मिश्रा

3. किसान क्लब संघ पर आधारित कृशक जागरूकता कार्यक्रम :–

संस्था द्वारा गठित जागृति किसान क्लब लोहरसी एवं विकास क्लब को नगरी को वर्ष 2010–11 में नाबार्ड द्वारा राज्य स्तरीय क्लब एवार्ड मुल्यांकन में छ0ग0 राज्य में प्रथम स्थान के एवार्ड से सम्मानित किया गया है एवं वर्तमान में संस्था द्वारा जिला धमतरी में 100 एवं जिला दुर्ग /बालोद में 17 एवं राजनानंदगॉव में 13 किसान क्लाबों में कुल 130 क्लब का गठन व संचालन, कृषि संगोष्ठी, कृषक दिवस, उन्नत बीज प्रदर्शन भ्रमण जिले के सभी विभागों के साथ समन्वयक कर वैज्ञानिक मुलाकात, पशुचिक्त्सिा शिविर स्थास्थ्य शिविर, श्रमदान कार्यक्रम, तालाब, स्कुल, आंगनबाड़ी, गांव सफाई अभियान जैसे जनकल्याण कारी कार्यक्रम किसान क्लबों को सुझााव देकर कार्य करवाने गये है। संस्था द्वारा स्थानीय सुविधाओं का दोहन कर नाबार्ड के नियमों को ध्यान में रखते हुए किसान क्रांति, किसान कार्यशालाओं का जिला स्तर एवं विकासखंड स्तर पर आयोजन दिन–प्रतिदिन किया जाता रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य में सर्वाधिक किसान क्लबों की सक्रियता को देखते हुए संस्था ने एक अनुठे प्रयास को सफलता से निर्वहन करते हुए छत्तीसगढ़ का पहला किसान क्लब संघ का गठन किया गया, जिसमें 22 किसान क्लबों के 600 किसानों को संगठित कर एक नया मंच प्रदान किया फेडरेशन का कार्य जिले में संचालित शासन की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं को धमतरी जिले में वृहद स्तर पर पहुॅचाना होगा। इसी के साथ सामूहिक कृषि सेवा केन्द्र के संचालन में लगने वाले वित्तीय सहायता तथा गुणवत्ता वाले खाद, बीज, कीटनाशक दवाईयों का उपयोग समय में उपलब्ध करवाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी।

कार्यक्रम में उपस्थित नाबार्ड सी.जी.एम श्री एस.के.बंसल एवं जी.एन.मूर्ति सी.जी.बी.

4. संयुक्त देयता समूह गठन एवं लिंकेज :–

प्रतिज्ञा विकास संस्थान दुर्ग द्वारा नाबार्ड को एक विशेष परियोजना के तहत भूमिहीन किसानों के लिए प्रस्ताव बनाया गया, जो कि कृषि का अनुभव होते हुए भी बैंक ऋण सहायता से वंचित रह जाते हैं एवं रेगहा कट्टू पद्यति के आधार साहूकार की जमीन पर कार्य करते है। संस्था द्वारा नाबार्ड के स्वीकृति उपरांत 100 समूहो के लक्षित लक्ष्य के उपरांत 127 समूहो का गठन किया गया। जिसमें 115 को I,II,III बैंक क्रेंडिट ऋण सहायता से जोड़ा गया, जिसकी कुल राशि 57,00000/– का लोन दिलवाया गया एवं आज भूमिहीन किसान उन्नत उत्पादन के साथ स्वावलंबी बन रहे है तथा 100 प्रतिशत ऋण वापसी की सफलता का पर्याय बनकर जिला धमतरी में बैंको का विश्वास जीता है।

छ0ग0 राज्य ग्रामीण बैंक से ऋण प्राप्त करते हुए संयुक्त देयता समूह एवं प्रशिक्षण

5. **<u>स्वच्छ भारत अभियान, जनजागरूकता रैलीः–जिला धमतरी जनजागरूकता कार्यकम में जन सामुदाय की भागीदारीः– देमार, सरसोपुरी, दर्री, पीपरछेडी, मेघा जिला धमतरी</u>**

नाबार्ड द्वारा आयोजित स्वच्छ भारत अभियान के ओर से आम जनता का ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से एवं सेवी संस्था प्रतिज्ञा विकास संस्थान दुर्ग द्वारा दिनांक 15/08/2015 को वि. ख. धमतरी जिला–धमतरी के ग्राम देमार, सरसोपुरी ,दर्री ,पीपरछेडी, मेघा में ग्राम पंचायत समस्त 20 वार्डो के पंच, महिला समूह, 2 किसान क्लब, ग्रामीण बूजुर्ग आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, एवं स्वास्थ्य अधिकारी स्कूल शासकीय माध्यमिक शाला मुजगहन के छात्र छात्राओं एवं शिक्षक, शिक्षकाओ की उपस्थिति में गांधी चौक से 150 जन समुदाय के साथ रैली निकाली गई, रैली में प्रतिज्ञा विकास संस्थान द्वारा जारी स्वच्छता जन जागरण से संबंधित नारा उदघोष के साथ चलते, चलते महात्मा गांधी के (स्वच्छ भारत, सुन्दर भारत) के सुविचारो को याद दिलाया गया साथ ही एवं नारो का उदघोष पब्लिक एड्रेस सिस्टम माइक से किया गया एवं सड़को कलोनियो, तथा बस्तियों तथा विद्यालय परिसर, तथा पंचायत कार्यालय जैसे सार्वजनिक स्थलो में धुमाया गया एवं, जागरूकता नारो से संदेश दिया गया। साथ ही अलग–अलग समाज प्रमुखो ने अपने, अपने स्वच्छता के संदेशो पर विचार रखें घर के आसपास, नालियो की सफाई करने के लिये स्वयं को आगे आना होगा इसी संदेश के साथ रैली चलती गई एवं संस्था द्वारा 15 प्लेकार्ड के माध्यम से जागरूकता नारो का नियमित उदघोष होता रहा।

<u>विद्यालय परिसर का साफ सफाई :–</u>

स्वच्छता कार्यक्रम रैली में भाग ले रहे ग्रामीण समस्त लोगों के जन सहयोग से शासकीय माध्यमिक शाला मुजगहन, खेल परिसर स्कूल के आस–पास एवं बाबा झूनादास मंदिर सार्वजनिक स्थल मंदिर परिसर तथा निस्तारी तालाब मुजगहन की बेहतर ढंग से साफ सफाई का कार्य किया गया जिसके लिये संस्था के द्वारा 15 नग झाडू की व्यवस्था भी की गई थी सभी ग्रामीणो ने भी बढ़कर इस कार्यक्रम सहयोग किया साथ ही भविष्य में इस सफाई अभियान को नियमित रखने के लिये किसान क्लबो ने माह में एक दिन स्वच्छता के प्रति कार्य करने की बात कही गई उक्त विचार को क्लब अध्यक्ष लखनलाल साहू ने बताया साथ ही उपस्थित समाज जनो एवं सरपंच के द्वारा नाबार्ड के इस पहल की प्रशंसा करते हुए, राष्ट्रीय बैंक की पहल पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा बताया कि ऐसे ही कार्यक्रमो के माध्यम से ग्रामीणो को जागरूक किया जा सकता है एवं स्वच्छता के संदेश को कम समय में अधिक से अधिक लोगों के मानसिक सोच

में परिवर्तन लाने में उपयोगी है। नाबार्ड के आयोजन में प्रतिज्ञा विकास संस्थान द्वारा 100 लोगों को स्वच्छता शपथ का पाम्पलेट डिस्पले किया गया एवं रैली, साफ सफाई के बाद में स्वच्छता शपथ को माइक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से सभी उपस्थित जनों को महात्मा गांधी को सोच पर आधारित स्वच्छता शपथ का वचन कर शपथ दिलाई गई और सभी ने संकल्प भी लिया कि इस संदेश को हम सब 100 लोगों तक पहुचाएंगें, एवं जागरूक करेगें। साथ की संस्था द्वारा सभी के लिये जलपान (बैठक रिफ्रेसमेन्ट) की व्यवस्था की गई थी जिसका भी लोगो को व्यवस्था दी गई जिसका सभी ने लाभ लिया साथ ही संस्था अध्यक्ष विजय मिश्रा मैं कार्यक्रम में उपस्थिति जनों का सहयोग के लिए आभार जताया एवं ज्यादा लोगों को जागरूक करने का सहयोग भी मांगा इसी के साथ कार्यक्रम समापन की घोषणा किया गया।

6. टी.पी.एम. (तृतीय पक्ष मूल्यांकन कार्यकम) जिला धमतरी, दुर्ग, कांकेर, बालोद एवं कबीरधाम तथा राजनांदगॉव

प्रतिज्ञा विकास संस्थान दुर्ग द्वारा राष्ट्रीय बैंक नाबार्ड नेबकान्स मुम्बई के द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के जिला धमतरी , दुर्ग, कांकेर ,बालोद ,कबीरधाम एवं राजनांदगॉव 06 जिलों में संस्था को उद्यानिकी विभाग से लाभान्वित विभिन्न योजनाओं के तहत कृषकों का तृतीय पक्ष मूल्यांकन का कार्य करने की जिम्मेदारी दी गई। संस्था द्वारा 900 किसानों को लक्षित योजनाओं के तहत मूल्यांकन किया गया, जिसमें शासन को ग्रामीण स्तर पर किसानों का आय एवं आत्मनिर्भरता की वास्तविकता रिर्पोट भेजी गई है। जिसमें संस्था द्वारा अनुभवी इन्वेस्टीगेटर की नियुक्ति की गई थी, जिनकी सहायता से 06 जिलों का कार्य सफलता पूर्वक संपन्न किया गया।

7. सब्जी उत्पादक समूह :– कार्यकम जिला बालोद ग्राम गठित एफ. पीओ. की जानकारी

राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड द्वारा –प्रतिज्ञा विकास संस्थान के माध्यम से ग्राम – अकलवारा में मितान किसान कल्याण समिति का गठन किया तथा नाबार्ड से किसान क्लब का पंजीयन 16.4.2010 में करवाया गया जिसमें किसान क्लब को नाबार्ड से लगातार 3 वर्षो तक अनुदान राशि भी प्राप्त हुई थी। किसान क्लब के द्वारा कृषि दवाई एवं जैविक खाद की दुकान एवं बीज संग्रहण का सफल संचालन कर रहे है। ग्राम अकलवारा के किसान क्लब के सदस्य विगत 10–12 वर्षो से सब्जी की विभिन्न किस्म का उत्पादन कर रहे थे एवं अपनी उत्पाद को स्थानीय बाजार में विक्रय करते थे एवं प्रतिज्ञा विकास संस्थान दुर्ग के माध्यम से (नाबार्ड) फारमर्स प्रोडयूसर ऑर्गनाइजेशन (F.P.O.) की जानकारी दी गई जिसमें ग्राम – अकलवारा एवं कवर के सब्जी उत्पादक सदस्यों को श्री कृष्णा जैविक सब्जी उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित अकलवारा में जोड़कर फारमर्स प्रोडयूसर ऑर्गनाइजेशन का गठन किया गया है क्योकि सभी सदस्य कृषि के साथ–साथ सब्जी उत्पादन का अनुभव रखते हुये अपना आर्थिक लाभ प्राप्त कर रहे है नाबार्ड द्वारा उत्पादक समूह को तीन वर्ष के संचालन के लिये प्रतिज्ञा विकास संस्थान दुर्ग को राशि –8.72 लाख की स्वीकृति प्रदान की गई है।

8. राश्ट्रीय कृशि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा प्रायोजितएवं प्रतिज्ञा विकास संस्थान दुर्ग द्वारा आयोजित एक दिवसीय SHG महिला समूहो को क्षमता र्निमाण एवं/अजीविका गतिविधियों पर प्र□ाक्षण :–

प्रतिज्ञा विकास संस्थान, दुर्ग (छ.ग.)
जिला–धमतरी छत्तीसगढ़

नाबार्ड स्व सहायता समूह संचालकों का एक दिवसीय लीडरसिप/ अजीविका गतिविधियों का प्रशिक्षण प्रतिज्ञा विकास संस्थान दुर्ग के द्वारा अलग –अलग दिनांक में 1 दिवसिय 10 कार्यक्रम को ग्राम देमार, सरसोपुरी, पीपरछेडी, दर्री, मेघा / रामपुर, रावनगुडा ,साकंरा, मोहदी ,सिवनीकला में समूह अजीविका गतिविधियों / (क्षमता निर्माण कार्यक्रम) में संस्था अध्यक्ष विजय मिश्रा ने उपस्थित समूह सदस्यों का समूह संचालन, बैंक खाते का प्रतनिधित्व क्षमता एवं संगठनात्मक क्षमता से महिला सशक्तिकरण की पहल में जिम्मेदारियों का अनुशरण करवाया गया साथ ही संस्था द्वारा बनाये गये SHG सदस्यों की जिम्मेदारियों को पहचान करवाने हेतु विशेष फ्लैक्स के माध्यम से उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के माध्यम से बताया गया, जिसमें नियमित बचत, जिसके माध्यम से छोटी–छोटी बचत से ही बड़ी बचत बनती है तथा समूह सदस्यों का व्यक्तिगत बचत खाता खोलना एवं उसके महत्व के बारे में एवं सूक्ष्म बीमा योजना से जुड़ने से जुड़ने के क्या फायदे होते हैं, विस्तार पूर्वक बताया गया एवं एस.के. सेन शाखा प्रबंधक (CRGB) शाखा अर्जुनी द्वारा समूहों को मार्गदर्शन दिया प्रशिक्षण कार्यक्रम में नाबार्ड डी. डी.एम. श्री विजय धुंरधर के द्वारा नाबार्ड के द्वारा समूह संचालकों के लिए क्षमता निमार्ण कार्यक्रम के आयोजन की आवश्यकता एवं सोच के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। साथ ही संस्था द्वारा द्वितीय विशेषज्ञ श्री फगेश साहू के द्वारा समूह रिकार्ड संधारण के बारे में, रिकार्ड का रख रखाव, एवं SHG रिकार्ड की महत्वकांक्षा के बारे में विस्तार से बताया गया और समूह और समूह सदस्यों की आपसी वित्तीय विश्वसनीयता और याददाश्त के लिये आवश्यक रिकार्ड माना गया है। प्रतिमाह नियमित बैठकों के आयोजन एवं बैठक में लिये गये आवश्यक निर्णयों का लागूकरण हेतु लिखित नियमावली का पालन करना, रिकार्ड की महत्वकांक्षा पर आवश्यक है। साथ ही रिकार्ड संधारण एवं बचत, ब्याज की गणना हेतु विशेष सरल तरीकों के बारे में, विस्तार से संधारण की बारीकियों के बारे में बताया गया। संस्था द्वारा आयोजित आयोजित कार्यक्रम के परिपेक्ष में नाबार्ड की सोंच को विस्तार से बताया गया तथा प्रतिज्ञा विकास संस्थान दुर्ग द्वारा प्रशिक्षणर्थियों के लिए आवश्यक प्रशिक्षण किट, नास्ता, चाय एवं लंच की व्यवस्था की गई थी जिसका सभी प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा आनंद लिया गया और नाबार्ड SHG लीडरशिप एवं लाईव्लीहुड प्रशिक्षण का समापन किया गया।

SHG लीडरसिप प्रशिक्षण में उपस्थित डी.डी.एम नाबार्ड धमतरी श्री विजय धुरंधर एवं श्री विजय मिश्रा जी

समूह अजीविका गतिविधी मसरूम उत्पादन विषय पर प्रशिक्षण में उपस्थित डी.डी.एम नाबार्ड धमतरी श्री विजय धुरंधर एवं श्री एस. के चंद्रवशी (कृषि विज्ञान केन्द्र धमतरी)